

76

जुलै-सूच, 2019

76

मध्य भारती

मध्य भारती

मानविकी एवं समाजविज्ञान की द्विमासी शोध-पत्रिका



डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय
(संजीव विश्वविद्यालय)
सागर (मध्यप्रदेश) - 470 003
दूरभाष : 91-7582-264455
ई-मेल : madyabharati2016@gmail.com



सम्पादकीय परामर्श मण्डल

- प्रो. पी.के. राय
- प्रो. ए.एन. शर्मा
- प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी
- प्रो. अशोक अहिरवार
- प्रो. दिवाकर राजपूत
- प्रो. डी.के. नेमा
- प्रो. नागेश दुबे
- डॉ. अनुपमा कौशिक
- डॉ. प्रकाश जोशी

मध्य भारती

मानविकी एवं समाजविज्ञान की द्विभाषी शोध-पत्रिका

अंक-76, जनवरी-जून 2019

ISSN 0974-0066 (पूर्व-समीक्षित अर्द्धवार्षिक शोध-पत्रिका)

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

UGC Care List, Group-C (Multi disciplinary), Sl.no.-15

प्रकाशित रचनाओं के अभिमत से डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
या सम्पादकों की सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्पादकीय पत्र व्यवहार :

मध्य भारती

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय

सागर - 470003 (म.प्र.)

दूरभाष : (07582) 297133

ई-मेल : madhyabharti.2016@gmail.com

आवरण : डॉ. छबिल कुमार मेहेर

मुद्रण :

अमन प्रकाशन

कटरा नमक मंडी, सागर (म.प्र.)

सदस्यता शुल्क		आजीवन	
प्रति अंक	रु.	प्रति अंक	रु.
व्यक्तिगत	रु. 150/-	रु. 2000/-	
संस्थागत	रु. 200/-	रु. 4000/-	

ब्रिटिशकालीन भारत में आधुनिक शिक्षा प्रणाली का विकास और राष्ट्रवाद की प्रगति <i>ब्रजेन्द्र कुमार</i>	131
In Search of a Happy Society <i>Dilipkumar Mohanta</i>	139
Living Old Age Gracefully and Meeting the Ultimate End as Valedictory of Life <i>Jawahar Lal Jain</i>	152
Relevance and Utility of Yoga Education in Present Scenario <i>Ganesh Shankar</i>	161
Projecting Rising China's Softence Power : A Strategy for Global Infl <i>Sanjay Srivastava and Govind Gaurav</i>	172
Issues and Perspectives in Environmental Governance <i>Bhavana Trivedi</i>	178
The National Green Tribunal In Indian Perspective <i>Vivek Dubey</i>	189
Legal Mechanism on Violence against Women : Causes and Remedies <i>Mukesh Kumar Chaurasia</i>	195

ब्रिटिशकालीन भारत में आधुनिक शिक्षा प्रणाली का विकास और राष्ट्रवाद की प्रगति

ब्रजेन्द्र कुमार

18वीं शताब्दी के प्रारम्भ में यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों द्वारा देश में जब अपनी कॉलोनी स्थापित की जा रही थीं, उन्हीं में से इंग्लैंड की ईस्ट इण्डिया कंपनी ने भी अपने साम्राज्य का विस्तार प्रारम्भ कर दिया था। ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा अपने साम्राज्य को मजबूत आधार देने के लिए आधुनिक शिक्षा प्रणाली प्रारम्भ की गई। आधुनिक शिक्षा व्यवस्था को विकसित करने के लिए ऐसे उद्देश्यों को लिया गया जिनसे देश को उपनिवेश में परिवर्तित कर, भारत में ब्रिटिश साम्राज्य को सुदृढ़ एवं स्थायी रूप दिया जा सके। ब्रिटिश साम्राज्य ने आधुनिक शिक्षा प्रणाली का प्रयोग विकास के एक ऐसे साधन के रूप में किया जिससे भारतीय समाज की स्थिरता को तोड़ा जा सके। औपनिवेशिक काल में आधुनिक शिक्षा के विकास द्वारा भारतीयों की पहचान आधुनिक पश्चिमी विचारों तथा संस्थाओं से हुई। आधुनिक शिक्षा प्रणाली ने भारतीयों में वैज्ञानिक एवं तार्किक चिंतन का विकास किया, जिसके माध्यम से भारतीय बुद्धिजीवियों ने समाज के ताने-बाने को समझकर उसका अध्ययन शुरू किया। हिन्दुस्तान में उपनिवेशवाद की जो प्रक्रिया शुरू हुई, उसने उन्नीसवीं सदी में साम्राज्यवाद का रूप धारण करके सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक तथा राजनैतिक रूपान्तरण से भौतिक तथा मानवीय परिवेश को गहराई तक प्रभावित किया। ईस्ट इण्डिया कम्पनी से लेकर ब्रिटिश सरकार ने भारत को अपने नये-नये प्रयोगों की जमीन बनाकर भरपूर दोहन किया। इन्हीं प्रयोग में एक अंग्रेजी शिक्षा का प्रचार-प्रसार था। नई शिक्षा के द्वारा उन्होंने देश में अपने साम्राज्य के शुभचिंतकों एवं संरक्षकों को तैयार कर देश में एक ऐसा परिवेश तैयार किया ताकि लोगों में असमानता की भावना को पैदा किया जा सके। इसके लिए नये तत्वों की पहचान की गई, जिनमें पश्चिमीकरण तथा आधुनिकता को जोड़ा गया। औपनिवेशिक काल में आधुनिक शिक्षा प्रणाली के विकास से समाज का जो पश्चिमीकरण तथा आधुनिकीकरण हुआ, उससे भारतीयों में राष्ट्रवाद के तत्वों का उदय हुआ। जैसे-जैसे लोग शिक्षित होते गये उनमें राष्ट्रीयता की भावना मजबूत होती गई तथा देश में एक व्यापक राष्ट्रीय आंदोलन खड़ा हो गया। इसी आंदोलन के दौरान देश में लोकतंत्र की स्थापना एवं राष्ट्र निर्माण का मार्ग तैयार हुआ।

ब्रिटिशकालीन भारत में आधुनिक शिक्षा की शुरुआत 18वीं सदी में ईसाई मिशनरियों द्वारा वैयक्तिक रूप से अपने स्तर पर की जाती है। इन मिशनरियों का प्रमुख उद्देश्य शिक्षा के द्वारा ईसाई धर्म का प्रचार-प्रसार एवं धर्म परिवर्तन था। इनके इसी कार्य से कंपनी के अधिकारी डरे हुए थे, कि उनके इस कार्य से

मध्य भारती-76, जनवरी-जून, 2019, ISSN 0974-0066, pp. 131-138

यूजीसी केयर लिस्ट, गुप-सी (मल्टीडिसिप्लिनरी), क्र.सं.-15